

समय: दो घण्टे

पूर्णाङ्क :50

नाम :

अनुक्रमांक:

हस्ताक्षर :

- सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।
- स्वच्छता एवम् वर्तनी शुद्धि का ध्यान रखें।

व्याकरण खण्ड

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर दीजिये:- **(5)** सदाचारी व्यक्ति अपने काम से बड़े बनते हैं। दुराचारी व्यक्ति दूसरों के काम में बाधाएँ उत्पन्न करके बड़प्पन बटोरना चाहते हैं। लेकिन एक न एक दिन उनकी पोल खुल जाती है। उनके अनुचित कार्य उनको कहीं का नहीं छोड़ते। इतना होने पर भी वे बेफ़िक्र होकर अच्छे लोगों की बुराई करने में अपना समय बर्बाद करते रहते हैं। किसी की प्रशंसा सुनना उनके कानों को अच्छा नहीं लगता। इतने ही परिश्रम से यदि वे अच्छे कार्य करें, तो वे भी अच्छे आदमी बन सकते हैं, सम्मान पा सकते हैं। परन्तु वे अपनी आदत से मजबूर हैं, उनके मन की कुटिलता उन्हें अच्छे काम करने से रोकती है। सदाचारी व्यक्ति अच्छे काम करके चैन की नींद सोता है और सुखी रहता है। दुराचारी व्यक्ति बुरे काम करके अपना सुख-चैन नष्ट करता है, अपने मन को बीमार करता है। मन की बीमारी कुछ दिनों में शरीर की भी बीमारी बन जाती है।

(क) दुराचारी व्यक्ति किस प्रकार बड़प्पन बटोरना चाहते हैं?

- (अ) अच्छे काम करके (ब) दूसरों की प्रशंसा करके
(स) दूसरों के काम में बाधाएँ उत्पन्न करके (द) दूसरों के काम में सहयोग करके

(ख) दुराचारी व्यक्तियों के कानों को अच्छा नहीं लगता।

- (अ) बुरा काम करना (ब) किसी की प्रशंसा सुनना
(स) संगीत सुनना (द) किसी के घर जाना

(ग) दुराचारी व्यक्ति अच्छे काम नहीं कर सकते, क्योंकि,

- (अ) मन की कुटिलता उन्हें अच्छे काम करने से रोकती है। (ब) उन्हें लोग कुछ करने नहीं देते हैं।
(स) वे किसी का साथ नहीं देते हैं। (द) वे सबको सम्मान देते हैं।

(घ) मन की बीमारी कुछ दिनों में किसकी बीमारी बन जाती है?

- (अ) समाज की (ब) परिवार की (स) राज्य की (द) शरीर की

(ङ) "पोल खुलना" का अर्थ है

- (अ) रंग उतरना (ब) असलियत का पता चलना (स) भेद प्रकट न करना (द) चमकना

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों का उत्तर दें : **(5)**

रंग-रंग के रूप हमारे, अलग-अलग है क्यारी-क्यारी
लेकिन हम सबसे मिलकर ही इस उपवन की शोभा सारी
एक हमारा माली हम सब, रहते नीचे एक गगन के
हम सब सुमन एक उपवन के।
सूरज एक हमारा, जिसकी किरणें उसकी कली खिलातीं,
एक हमारा चाँद, चाँदनी जिसकी हम सबको नहलाती।
मिले एकसे स्वर हमको हैं, भ्रमरों के मीठे गुंजन के
हम सब सुमन एक उपवन के।
काँटों में मिलकर हम सबने, हँस-हँस कर है जीना सीखा,
एक सूत्र में बँधकर हमने, हार गले का बनना सीखा।
सबके लिए सुगन्ध हमारी हम सिंगार धनी निर्धन के
हम सब सुमन एक उपवन के।

(क) उपवन की शोभा किस बात में है ? (सही उत्तर छाँटकर लिखिए)

- (अ) एक जैसा रंग-रूप होने में
(ब) अलग-अलग रंग-रूप और अलग-अलग क्यारियाँ होने में
(स) कोई भी विशेषता न होने में
(द) एक जैसी क्यारियाँ होने में

(ख) 'मिले एकसे स्वर हमको हैं'-का भाव है-

ख) कहाँ बैठकर लेखक को शांति मिली

?-----

ड) अर्थ लिखें – कटुक -----कनक -----

प्रश्न 3 अति लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार उत्तर लिखें –

1) सही गलत का निशान लगायें-

(1)

क) एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में पाँच लीटर रक्त होता है। सही/गलत?.....

ख) मुरलीवाले के पास पूरी सत्तावन मुरलियाँ थीं। सही /गलत ?-----

2) रिक्त स्थान भरें-

(1)

क) मिठाईवाला एक पैसे में -----गोलियाँ देता था। (16,18,25)

ख) एक समय में किसी व्यक्ति से -----मिलीलीटर रक्त ही लिया जा सकता है। (300, 400, 500)

3) किसने किससे कहा?

(1)

क) "बिटिया की शादी है आप दया न करेंगी तो उस बेचारी का निस्तार कैसे होगा?" किसने किससे कहा?
.....ने.....से।

Pg.4

प्रश्न 5 लघूत्तरीय प्रश्न

(2)

क) शाम एक किसान कविता में शाम के दृश्य और किसान में समानता दिखाने के लिए बताई गई कोई दो एकरूपताएँ लिखें।

ख) कहाँ बैठकर लेखक को शांति मिली

?-----

प्रश्न 6. दीर्घोत्तरीय प्रश्न – तीनों प्रश्नों के उत्तर दें।

(2+2+2)

क) मिठाईवाले का दुख क्या था ? उसने अपने दुख से उबरने के लिए क्या किया?

ख) कहाँ बैठकर लेखक को शांति मिली

?-----

ख) कहाँ बैठकर लेखक को शांति मिली

?

ख) कहाँ बैठकर लेखक को शांति मिली

संस्कृत खण्ड

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें-

(2)

मूषक: वृषभ:....., ललना..... उद्यानम.....

Pg.5

प्रश्न 2. रिक्त स्थान पर आकारान्त स्त्रीलिंग कर्ता भरें-

(1)

अ).....चरति।

ब).....विकसति।

प्रश्न 3. क्रियाओं के सामने उनकी धातु लिखें-

(1)

1) कूदना

ब) नमस्कार करना.....

प्रश्न 4. हिन्दी अनुवाद करें-

(3)

अ) रमेश: कूर्दति।.....।

ब) स: नमति।।

स)रूप्यकम अस्ति।.....।

प्रश्न 5)संस्कृतमें अनुवाद करें-

(3)

अ)मनुष्य झुकता है।.....।

ब)फल गिरता है।.....।

स)चक्र चलता है.....।